कानपुर–गर्मी में सब्जी फ़सल की देखभाल एवं बचाव के उपाय

अनवर अशरफ

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित बंजारा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर संजय कुमार ने गर्मी की मौसम में सब्जी फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में सब्जी उत्पादन का विशेष महत्व है क्योंकि सब्जियों की खेती प्रति इकाई क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन एवं आय के साथ-साथ रोजगार सृजन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परंतु इस माह में भीषण गर्मी के चलते किसान भाइयों को सब्जियों की खेती में क्षति हो सकती है जैसे =

1. सनबर्न नैक्रोसिस(फल के धूप वाले हिस्से पर छिलका के ऊतक का मर जाना व कोशिका झिल्ली का विच्छेदन हो जाना)= – यह दशा उच्च तापमान साफ आसमान व उच्च प्रकाश वितरण वाले दिनों में अधिक होती है इससे तरबूज, खरबूज, टमाटर, बैंगन, मिर्च, खीरा, तरोई, कद्दू व शिमला मिर्च की फसलें प्रभावित हो सकती हैं।

2. सन बर्न ब्राउनिंग– इसमें ऊतक का मृत्यु का कारण नहीं होता। परिणाम स्वरुप फल के धूप वाले हिस्से पर पीले कांच या भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं परन्तु कोशिकाएं जीवित रहती हैं। लेकिन क्लोरोफिल कैरोटीन जंतु फूल जैसे वर्णन नष्ट हो जाते हैं। यह दशा ज्यादातर तरबूज या खरबूजा की फसल में देखने को मिलती है

3. फोटो ऑक्सीडेटिव सनबर्न– जब छायादार फल अचानक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आ जाते हैं तो इस प्रकार के सनबर्न में अतिरिक्त प्रकाश से फल से फोटो ब्लीच हो जाएंगे क्योंकि फल उच्च प्रकाश स्तरों के अनुकूल नहीं होते। यह दशा कभी-कभी ग्रीन हाउस में उत्पादित सब्जियों में देखने को मिलती है।

4. उपरोक्त के अतिरिक्त सब्जियों में फलों का पीला पड़ना , फलों का मर जाना , फलों की वृद्धि का रुक जाना, फल सड़न , पौध गलन , समय से फलों का पके जैसा लगना , फल फटना, पुष्पों का न विकसित होना, फलों की वृद्धि रुक जाना इत्यादि लक्षण उच्च तापमान व हीट वेब के कारण सब्जियों पर हो सकते हैं।

देखभाल एवं बचाव–

1. नमी को बनाए रखने के लिए सब्जियों के फ़सल में शाम को हल्की सिंचाई करें ।

2. फलों को पत्तों से ढककर रखें।

3. सबसे ज्यादा नुकसान टमाटर की फसल को हो सकता है जिसके बचाव हेतु टमाटर की पौध को स्टेकिंग या सहारा दें जिससे फल का संपर्क जमीन से न रहे व सूर्य की विकिरण को कम करने के लिए अस्थाई छप्पर या जाली का उपयोग करें।

4. कद्दू वर्गीय सब्जियों में सुबह के समय 5 से 7 बजे के बीच कोई दवा का छिड़काव न करें यदि दवा का छिड़काव करना है तो शाम को करें।

5. फल सडन, पौध सडन व जड़ गलन आदि के बचाव के लिए 2 ग्राम कापर ऑक्सिक्लोराइड प्रति लीटर पानी में मिलाकर शाम को छिड़काव करें।

6. जल में घुलनशील पोषक तत्वों का सिंचाई के पानी के साथ शाम के समय उपयोग करें।

नमी को बनाए रखने के लिए सब्जियों के फ़सल में शाम को हल्की सिंचाई करें...

डीटीएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के अधीन संचालित बंजारा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर संजय कुमार ने गर्मी की मौसम में सब्जी फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में सब्जी उत्पादन का विशेष महत्व है क्योंकि सब्जियों की खेती प्रति इकाई क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन एवं आय के साथ-साथ रोजगार सृजन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परंतु इस माह में भीषण गर्मी के चलते किसान भाइयों को सब्जियों की खेती में क्षति हो सकती है जैसेः

1 सनबर्न नैक्रोसिस (फल के धूप वाले हिस्से पर छिलका के ऊतक का मर जाना व कोशिका झिल्ली का विच्छेदन हो जाना): यह दशा उच्च तापमान साफ आसमान व उच्च प्रकाश वितरण वाले दिनों में अधिक होती है इससे तरबूज, खरबूज, टमाटर, बैंगन, मिर्च, खीरा, तरोई, कद्दू व शिमला मिर्च की फसलें प्रभावित हो सकती हैं।

2 सन बर्न ब्राउनिंग: इसमें ऊतक का मृत्यु का कारण नहीं होता। परिणाम स्वरुप फल के धूप वाले हिस्से पर पीले कांच या भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं परन्तु कोशिकाएं जीवित रहती हैं। लेकिन क्लोरोफिल कैरोटीन जंतु फूल जैसे वर्णन नष्ट हो जाते हैं। यह दशा ज्यादातर तरबूज या खरबूजा की फसल में देखने को मिलती है

3 फोटो ऑक्सीडेटिव सनबर्न: जब छायादार फल अचानक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आ जाते हैं तो इस प्रकार के सनबर्न में अतिरिक्त प्रकाश से फल से फोटो ब्लीच हो जाएंगे क्योंकि फल उच्च प्रकाश स्तरों के अनुकूल नहीं होते। यह दशा कभी-कभी ग्रीन हाउस में उत्पादित सब्जियों में देखने को मिलती है।

4 उपरोक्त के अतिरिक्त सब्जियों में फलों का पीला पड़ना , फलों का मर जाना , फलों की वृद्धि का रुक जाना, फल सड़न , पौध गलन , समय से फलों का पके जैसा लगना , फल फटना, पुष्पों का न विकसित होना, फलों की वृद्धि रुक जाना इत्यादि लक्षण उच्च तापमान व हीट वेव के कारण सब्जियों पर हो सकते हैं।

देखभाल एवं बचाव

नमी को बनाए रखने के लिए सब्जियों के फ़सल में शाम को हल्की सिंचाई करें ।

फलों को पत्तों से ढककर रखें।

सबसे ज्यादा नुकसान टमाटर की फसल को हो सकता है जिसके बचाव हेतु टमाटर की पौध को स्टेकिंग या सहारा दें जिससे फल का संपर्क जमीन से न रहे व सूर्य की विकिरण को कम करने के लिए अस्थाई छप्पर या जाली का उपयोग करें।

कद्दू वर्गीय सब्जियों में सुबह के समय 5 से 7 बजे के बीच कोई दवा का छिड़काव न करें यदि दवा का छिड़काव करना है तो शाम को करें।

फल सड़न, पौध सड़न व जड़ गलन आदि के बचाव के लिए 2 ग्राम कापर ऑक्सिक्लोराइड प्रति लीटर पानी में मिलाकर शाम को छिड़काव करें।

जल में घुलनशील पोषक तत्वों का सिंचाई के पानी के साथ शाम के समय उपयोग करें।

डाक पंजीयन संख्या : GPOLW/NP-110/2015-17

R.N.I. No. UPHIN/2013/5

द स्वाई ऑफ इण्डिया

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, सुलतानपुर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, जालौन, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर से एक साथ प्रसारित

वर्ष 11 | अंक 208 | हिन्दी दैनिक | लखनऊ, रविवार, 2 जून 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1.00

गर्मी में सब्जी फसल की देखभाल एवं बचाव के उपाय

संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित बंजारा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर संजय कुमार ने गर्मी की मौसम में सब्जी फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में सब्जी उत्पादन का विशेष महत्व है क्योंकि सब्जियों की खेती प्रति इकाई क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन एवं आय के साथ-साथ रोजगार सृजन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परंतु इस माह में भीषण गर्मी के चलते किसान भाइयों को सब्जियों की खेती में क्षति हो सकती है जैसे-

1. सनबर्न नैक्रोसिस(फल के धूप वाले हिस्से पर छिलका के ऊतक का मर जाना व कोशिका झिल्ली का

विच्छेदन हो जाना) - यह दशा उच्च तापमान साफ आसमान व उच्च प्रकाश वितरण वाले दिनों में अधिक होती है इससे तरबूज, खरबूज, टमाटर, बैंगन, मिर्च, खीरा, तरोई, कद्दू व शिमला मिर्च की फसलें प्रभावित हो सकती हैं।

2. सन बर्न ब्राउनिंग - इसमें ऊतक का मृत्यु का कारण नहीं होता। परिणाम स्वरुप फल के धूप वाले हिस्से पर पीले कांच या भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं परन्तु कोशिकाएं जीवित रहती हैं। लेकिन क्लोरोफिल कैरोटीन जंतु फूल जैसे वर्णन नष्ट हो जाते हैं। यह दशा ज्यादातर तरबूज या खरबूजा की फसल में देखने को मिलती है

3. फोटो ऑक्सीडेटिव सनबर्न- जब छायादार फल अचानक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आ जाते हैं तो इस प्रकार के सनबर्न में अतिरिक्त प्रकाश से फल से फोटो ब्लीच हो जाएंगे क्योंकि फल उच्च प्रकाश स्तरों के अनुकूल नहीं होते। यह दशा कभी-कभी ग्रीन हाउस में उत्पादित सब्जियों में देखने को मिलती है।

4. उपरोक्त के अतिरिक्त सब्जियों में फलों का पीला पड़ना , फलों का मर जाना , फलों की वृद्धि का रुक जाना, फल सड़न , पौध गलन , समय से फलों का पके जैसा लगना , फल फटना, पुष्पों का न विकसित होना, फलों की वृद्धि रुक जाना इत्यादि लक्षण उच्च तापमान व हीट वेब के कारण सब्जियों पर हो सकते हैं।

देखभाल एवं बचाव -

1. नमी को बनाए रखने के लिए सब्जियों के फसल में शाम को हल्की सिंचाई करें ।

2. फलों को पत्तों से ढककर रखें।

3. सबसे ज्यादा नुकसान टमाटर की फसल को हो सकता है जिसके बचाव हेतु टमाटर की पौध को स्टेकिंग या सहारा दें जिससे फल का संपर्क जमीन से न रहे व सूर्य की विकिरण को कम करने के लिए अस्थाई छप्पर या जाली का उपयोग करें।

4. कद्दू वर्गीय सब्जियों में सुबह के समय 5 से 7 बजे के बीच कोई दवा का छिड़काव न करें यदि दवा का छिड़काव करना है तो शाम को करें।

5. फल सडन, पौध सडन व जड़ गलन आदि के बचाव के लिए 2 ग्राम कापर ऑक्सिक्लोराइड प्रति लीटर पानी में मिलाकर शाम को छिड़काव करें।

6. जल में घुलनशील पोषक तत्वों का सिंचाई के पानी के साथ शाम के समय उपयोग करें।

र्ना फाइनल में

को 1-1 विकेट मिला। वहीं रचित फाइनेंस से सिद्धांत शुक्ला (18) और भव्य शुक्ला (11) ही दहाई तक अपना स्कोर पहुचा सके जबकि टीम के पांच बल्लेबाज अपना खाता भी न खोल सके। मामूली लक्ष्य का पीछा करने उतरे आईपीएम कैरियर्स के ओपनर स्वरित वर्मा ने नाबाद 28 और कप्तान विशेष सिंह ने नाबाद 25 रन बनाते हुए टीम को 10 ओवर में 59 रन बनाते हुए दस विकेट की शानदार जीत दिलायी। उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज अंकित राजपूत ने आईपीएम कैरियर्स के आकर्ष चतुर्वेदी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। इससे डी शशिकांत खाण्डेकर ने किया। ा उमर मुगल और अर्पित पाठक, । आयुष तिवारी तथा कमेंट्रेटर की आईपीएम के आशीष मिश्रा, डा. , आदि मौजूद रहे।

ब्धि को सराहा

करोड़ की स्कालरशिप

करने के पश्चात एसजीपीजीआई में जूनियर रिसर्च साइंटिस्ट के रूप में कार्यरत है। राष्ट्रीय स्तर की अनेक संगीत, नृत्य, कला व खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजयी रही है। अनन्या अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार और विद्यालय को देती है। विद्यालय में टाक शो का आयोजन किया गया।

प्रधानाचार्या भावना गुप्ता ने अनन्या की उपलब्धि पर प्रशंसा करते हुए उन्हे सम्मानित किया। विद्यालय की चेयरपर्सन श्रीमती मनोरमा हरि सिहानिया, वाइस यरपर्सन श्रीमती वर्षा सिहानिया, गी. कर ने अनन्या के उज्जवल

सब्जी की फसल।

गर्मी में सब्जी फ़सल की देखभाल एवं बचाव के उपाय जरूरी

डॉक्टर संजय कुमार

उद्यान वैज्ञानिक डा. संजय कुमार ने किसानों को दी सलाह

कानपुर, 1 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह की ओर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित बंजारा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर संजय कुमार ने गर्मी की मौसम में सब्जी फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में सब्जी उत्पादन का विशेष महत्व है क्योंकि सब्जियों की खेती प्रति इकाई क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन एवं आय के साथ-साथ रोजगार सृजन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परंतु इस माह में भीषण गर्मी के चलते किसान भाइयों को सब्जियों की खेती में क्षति हो सकती है। सब्जी के बचाव के लिए नमी को बनाए रखने के लिए सब्जियों के फ़सल में शाम को हल्की सिंचाई करें, फलों को पत्तों से ढककर रखे, सबसे च्यादा नुकसान टमाटर की फसल को हो सकता है जिसके बचाव हेतु टमाटर की पौध को स्टेकिंग या सहारा दें जिससे फल का संपर्क जमीन से न रहे व सूर्य की विकिरण को कम करने के लिए अस्थाई छप्पर या जाली का उपयोग करें, कद्दू वर्गीय सब्जियों में सुबह के समय 5 से 7 बजे के बीच कोई दवा का छिड़काव न करें यदि दवा का छिड़काव करना है तो शाम को करें। फल सडन, पौध सडन व जड़ गलन आदि के बचाव के लिए 2 ग्राम कापर ऑक्सिक्लोराइड प्रति लीटर पानी में मिलाकर शाम को छिड़काव करें। जल में घुलनशील पोषक तत्वों का सिंचाई के पानी के साथ शाम के समय उपयोग करना चाहिये।

केजरीवाल को कोर्ट से तत्काल राहत नहीं... 12 मंडी परिषद से बनने वाली सड़क में घटिया सामग्री... 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखन
वर्षः 15 | अंकः
मूल्यः ₹3.0
पेज
रविवार | 02 जून, 2

गर्मी के मौसम में सब्जी फसलों के बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित बंजारा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने शनिवार को गर्मी के मौसम में सब्जी फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में सब्जी उत्पादन का विशेष महत्व है क्योंकि सब्जियों की खेती की प्रति इकाई क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन एवं आय के साथ-साथ रोजगार सृजन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि इस माह में भीषण गर्मी के चलते सब्जियों की खेती मे

सनबर्न नैक्रोसिस, सन बर्न ब्राउनिंग, फोटो ऑक्सीडेटिव सनबर्न, सब्जियों में फलों का पीला पड़ना, फलों का मर जाना, फलों की वृद्धि का रुक जाना, फल सड़न, पौध गलन, समय से फलों का पके जैसा लगना, फल फटना, पुष्पों का न विकसित होना, फलों की वृद्धि रुक जाना इत्यादि लक्षण हो सकते हैं। जिसके देखभाल एवं बचाव के लिए सब्जियों के फ़सल में नमी को बनाए रखने के लिए शाम को हल्की सिंचाई करें, फलों को पत्तों से ढककर रखें। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा नुकसान टमाटर की फसल को हो सकता है जिसके बचाव के लिए टमाटर की पौध को स्टेकिंग या सहारा दें जिससे फल का संपर्क जमीन से न रहे व सूर्य की विकिरण को कम करने के लिए अस्थाई छप्पर या जाली का उपयोग करें इसके साथ ही कद्दू वर्गीय सब्जियों में सुबह के समय 5 से 7 बजे के बीच कोई दवा का छिड़काव न करके शाम को करें। डॉ.संजय कुमार ने कहा कि फल सडन, पौध सडन व जड़ गलन आदि के बचाव के लिए 2 ग्राम कापर ऑक्सिक्लोराइड प्रति लीटर पानी में मिलाकर शाम को छिड़काव करें व जल में घुलनशील पोषक तत्वों का सिंचाई के पानी के साथ शाम के समय उपयोग करें।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 329 कानपुर, रविवार 02 जून 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरुप

yaswaroop.in

अभ्यास मैच में श्रीलंका व अफगानिस्तान 10

प्रचण्ड गर्मी में सब्जी की देखभाल एवं बचाव के उपाय

कानपुर । सीएसए विविध के कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह के निर्देश क्रम में विश्वविद्यालय के अधीन संचालित बंजारा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर संजय कुमार ने गर्मी की मौसम में सब्जी फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि प्रदेश की कृषि आधारित अर्थ व्यवस्था में सब्जी उत्पादन का विशेष महत्व है क्योंकि सब्जियों की खेती प्रति इकाई क्षेत्रफल में अधिक उत्पादन एवं आय के साथ-साथ रोजगार सृजन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परंतु इस माह में भीषण गर्मी के चलते किसान भाइयों को सब्जियों की खेती में क्षति हो सकती है। सनबर्न नैक्रोसिस फल के धूप वाले हिस्से पर छिलका के ऊतक का मर जाना व कोशिका झिल्ली का विच्छेदन हो जाना, यह दशा उच्च तापमान साफ आसमान व उच्च प्रकाश वितरण वाले दिनों में अधिक होती है इससे तरबूज, खरबूज, टमाटर, बैंगन, मिर्च, खीरा, तरोई, कद्दू व शिमला मिर्च की फसलें प्रभावित हो सकती हैं। सन बर्न ब्राउनिंग इसमें ऊतक का मृत्यु का कारण नहीं होता। परिणाम स्वरुप फल के धूप वाले हिस्से पर पीले कांच या भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं परन्तु कोशिकाएं जीवित रहती हैं। लेकिन क्लोरोफिल कैरोटीन जंतु फूल जैसे वर्णन नष्ट हो जाते हैं। यह दशा ज्यादातर तरबूज या खरबूजा की फसल में देखने को मिलती है। फोटो ऑक्सीडेटिव सनबर्न जब छायादार फल अचानक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आ जाते हैं तो इस प्रकार के सनबर्न में अतिरिक्त प्रकाश से फल से फोटो ब्लीच हो जाएंगे क्योंकि फल उच्च प्रकाश स्तरों के अनुकूल नहीं होते। यह दशा कभी-कभी ग्रीन हाउस में उत्पादित सब्जियों में देखने को मिलती है। अब भी वक्त है सुरेशवा चोरों की मण्डलीय से तौबा कर लें नहीं तो किसी दिन बुरा फंसेगा। उपरोक्त के अतिरिक्त सब्जियों में फलों का पीला पड़ना , फलों का मर जाना , फलों की वृद्धि का रुक जाना, फल सड़न , पौध गलन , समय से फलों का पके जैसा लगना , फल फटना, पुष्पों का न विकसित होना, फलों की वृद्धि रुक जाना इत्यादि लक्षण उच्च तापमान व हीट वेब के कारण सब्जियों पर हो सकते हैं।